कांग्रेस विधायक दल की बैठक में धारीवाल और डोटासरा के बीच हुई तीखी बहस

डोटासरा द्वारा बैठक में बोलने का अवसर न दिए जाने से नाराज होकर शांति धारीवाल बैठक छोड़कर चले गए और बाद में सदन में भी उपस्थित नहीं रहे

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान विधानसभा की "ना पक्ष" लॉबी में सोमवार सुबह 10 बजे कांग्रेस विधायक दल की बैठक हुई। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में कांग्रेस के अधिकांश विधायक शामिल हुए, जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी पहुंचे और चर्चा में भाग लिया। बैठक के दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और पूर्व मंत्री शान्ति धारीवाल के बीच बहस भी हुई। डोटासरा द्वारा बोलने का अवसर न दिए जाने से नाराज धारीवाल बैठक छोड़कर चले गए और बाद में सदन में भी उपस्थित नहीं रहे।

■ **बताया जा रहा है कि कांग्रेस विधायक दल की यह बैठक सरकार को सदन में घेरने की रणनीति बनाने के लिए बुलाई गई थी**

बताया जा रहा है कि कांग्रेस विधायक दल की यह बैठक सरकार को सदन में घेरने की रणनीति बनाने के लिए बुलाई गई थी। बैठक का मुख्य उद्देश्य विधानसभा के शेष सत्र में सरकार को प्रभावी ढंग से घेरने की रणनीति तैयार करना था। हाल के दिनों में सदन में 2 साल बनाम 5 साल के मुद्दे पर भाजपा और कांग्रेस के बीच तीखी बहस और हंगामा हुआ था। शनिवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपनी सरकार के 2 वर्षीय कार्यकाल की उपलब्धियों का प्रतिवेदन पेश किया और कांग्रेस के 5 साल के शासन की तुलना में बेहतर प्रदर्शन का दावा किया, जिसके विरोध में कांग्रेस ने सदन से वॉकआउट किया था। इस पृष्ठभूमि में कांग्रेस ने बैठक में तय किया कि वह सदन में आक्रामक रुख अपनाएगी और सरकार की कमियों को उजागर करेगी। रणनीति के तहत कांग्रेस ने कई प्रमुख मुद्दों पर फोकस करने का फैसला किया। इनमें बंदरों के आतंक से किसानों-नागरिकों की परेशानी, पेंशन संबंधी शिकायतें, महंगाई, बेरोजगारी, किसान कर्जमाफी की प्रगति, स्वास्थ्य और शिक्षा व्यवस्था की खामियां शामिल हैं।

कांग्रेस विधायक दल ने तीन विभागों की अनुदान मांगों पर बहस के दौरान सरकार से सवालों की बौछार करने की योजना बनाई। साथ ही, प्रश्नकाल में विभागीय जवाबदेही सुनिश्चित करने और याचिकाओं के माध्यम से जनहित के मुद्दे उठाने पर जोर दिया गया।

जूली ने बैठक के बाद संकेत दिए कि कांग्रेस अब सिर्फ विरोध नहीं, बल्कि ठोस विकल्प पेश करेगी। मुख्य सचेतक रफीक खान ने बताया कि विधायकों में एकजुटता दिखी और सभी ने सरकार की घोषणाओं पर आधारित राजनीति की आलोचना की। बैठक में यह भी तय हुआ कि सत्र के दौरान हंगामे से बचते हुए जनता से जुड़े मुद्दों पर लगातार दबाव बनाया जाएगा।

पम्प स्टोरेज प्रोजेक्ट्स को समय पर पूरा करें : भजनलाल शर्मा

8 गीगावाट बिजली उत्पादन के लिए चिन्हित 6 पम्प स्टोरेज प्रोजेक्ट्स पर मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को पम्प स्टोरेज प्रोजेक्ट्स के संबंध में उच्च स्तरीय बैठक ली।

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार किसानों को पर्याप्त और निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित कर रही है। उन्होंने कहा कि बिजली बचाना भी विद्युत उत्पादन के समान है।

इसी क्रम में उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जमीनी स्तर पर सघन दौरे कर बिजली चोरी के मामलों पर सख्त कार्रवाई की जाए। शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में पम्प स्टोरेज प्रोजेक्ट्स के संबंध में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि पम्प स्टोरेज प्रोजेक्ट्स सस्ते होने के साथ ही लम्बी अवधि के लिए कारगर हैं, जिससे आने वाले समय में पर्याप्त बिजली मिलना संभव हो सकेगा। इससे किसानों के साथ-साथ घरेलू उपभोक्ता को भी गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन प्रोजेक्ट्स को समय पर पूरा किया जाए, ताकि इनका लाभ उपभोक्ताओं को शीघ्र मिल सके।

■ **किसानों को पर्याप्त और निर्बाध बिजली आपूर्ति राज्य सरकार की प्राथमिकता : सीएम**

उन्होंने प्रोजेक्ट्स की क्लीयरेंस के लिए विभिन्न विभागों को आपसी समन्वय स्थापित करने एवं कार्यों की सतत् मॉनिटरिंग करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। मुख्यमंत्री ने सभी राजकीय कार्यालयों पर जल्द से जल्द सोलर पैनल लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन कार्यालयों में अब तक सोलर पैनल नहीं लगे हैं, उन्हें सूचीबद्ध कर शीघ्र कार्य शुरू किया जाए। बैठक में 8 गीगावाट बिजली उत्पादन के लिए चिन्हित 6 प्रोजेक्ट्स पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास सहित संबंधित विभागों के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

बीकानेर में नाबालिग से दुष्कर्म-हत्या को लेकर सदन में हंगामा, कांग्रेस ने किया वॉकआउट

गृह राज्यमंत्री ने सदन में कहा "पुलिस जांच जारी है, जल्द ही आरोपी पकड़ लिए जाएंगे"

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान विधानसभा में सोमवार को शून्यकाल के दौरान बीकानेर में नाबालिग बच्ची से दुष्कर्म और हत्या के मामले को लेकर तीखी नोकझोंक और हंगामा हुआ। आरोप-प्रत्यारोप के बीच कांग्रेस विधायकों ने वॉकआउट कर दिया।

शून्यकाल में कांग्रेस विधायक डूंगरराम गेदर ने बीकानेर की घटना को उठाते हुए सरकार से जवाब मांगा। इस पर गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने कहा कि मामले में पुलिस जांच जारी है। नाबालिग का शव मोर्चरी में रखा गया है और बीकानेर के पुलिस अधीक्षक सहित वरिष्ठ अधिकारी मौके पर मौजूद हैं।

■ **परंतु नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि "प्रदेश में लगातार दुष्कर्म की घटनाएं सामने आने के बावजूद सरकार अपराध नियंत्रण पर गंभीरता से काम नहीं कर रही।"**

उन्होंने आश्वासन दिया कि आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार किया जाएगा।नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि अपराधियों की गिरफ्तारी कब होगी, यह स्पष्ट किया जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि यदि सरकार अपराध नियंत्रण पर गंभीरता से काम करती तो ऐसी घटनाएं नहीं होतीं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में लगातार दुष्कर्म की घटनाएं सामने आ रही हैं। इस पर सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने नेता प्रतिपक्ष पर मामले में राजनीति करने का आरोप लगाया। जवाब में बेढ़म ने कहा कि एक गंभीर अपराध के मामले में भी राजनीति करना उचित नहीं है और इसे ओछी राजनीति बताया। इस पर टीकाराम जूली ने कहा कि आरोपियों की गिरफ्तारी के बारे में पूछना राजनीति नहीं है। इससे पहले, विधानसभा में इस प्रकरण को लेकर कांग्रेस और बीजेपी विधायकों के बीच जमकर नोकझोंक भी हुई।

फर्जी पट्टे बनाकर प्लॉट बेचने वाले गिरफ्तार

जयपुर । एयरपोर्ट थाना पुलिस ने फर्जी दस्तावेज तैयार कर प्लॉट बेचने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त पूर्व संजीव नैन बताया कि पीड़ित की शिकायत पर एयरपोर्ट थाने में मामला दर्ज किया गया था। आरोप है कि दीपक अग्रवाल ने अपने साथी के साथ मिलकर एक प्लॉट के फर्जी कागजात तैयार किए और उसे बेच दिया।

जिस पर एयरपोर्ट थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच पड़ताल करते हुए आरोपित विमलेश शर्मा (40) निवासी भांडा खेड़ा, थाना आंधी, जिला जयपुर ग्रामीण ओर दीपक अग्रवाल (50) निवासी फ्लैट नंबर 107, एपल रेजिडेंसी, कटारिया कॉलोनी, श्याम नगर, जयपुर को गिरफ्तार किया है।

डॉ. सतीश पूनियां ने भेंट की पुस्तक

जयपुर। भाजपा हरियाणा प्रभारी एवं भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने राजस्थान विधानसभा पहुंचकर "अग्निपथ नहीं जनपथ" पुस्तक विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, पूर्व मंत्री राजेंद्र पारीक, मंत्री राज्यवर्धन राठौड़, अविनाश गहलोत, सुमित गोदारा, मंजू बाघमार, हेमंत मीणा, विधायक उदयलाल भडाना, विश्वनाथ मेघवाल, ताराचंद सारस्वत, आदूराम मेघवाल, हमीर सिंह भायल, चंद्रभान आक्या, ऋतु बनावत, रामविलास मीणा, अनीता भदेल, दीप्ति माहेश्वरी, पब्बाराम विश्नोई, छगन राजपुरोहित तथा पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को भेंट की।

10 साल की सेवा पूरी होने पर एसीडीपीओ का वेतनमान देने के आदेश

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता महिला पर्यवेक्षकों को दस साल की सेवा पूरी होने पर सुप्रीम कोर्ट के मंजू रानी के फैसले के आधार पर एसीडीपीओ पद पर पदोन्नत कर चयनित वेतनमान देने को कहा है। जस्टिस अशोक कुमार जैन की एकलपीठ ने यह आदेश सुनीता व 38 अन्य की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में वरिष्ठ अधिवक्ता हनुमान चौधरी और अधिवक्ता तरुण चौधरी ने बताया कि याचिकाकर्ता साल 2010 में महिला पर्यवेक्षक पद पर नियुक्त हुई थी।

पूर्व में हाईकोर्ट की एकलपीठ ने महिला पर्यवेक्षक को दस साल के अनुभव पर एसीडीपीओ और उसके 9 साल बाद सीडीपीओ का चयनित वेतनमान देने के निर्देश दिए थे। इस आदेश के खिलाफ दायर अपील को खंडपीठ ने खारिज कर दिया था। वहीं बाद में सुप्रीम कोर्ट ने भी एकलपीठ के आदेश को सही मानते हुए एसएलपी खारिज कर दी थी।

44 ग्राम गांजे के साथ तस्कर गिरफ्तार

जयपुर। अवैध मादक पदार्थों की बिक्री के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत मानसरोवर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक महिला गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी महिला तस्कर के कब्जे से 44 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद किया है। फिलहाल पुलिस आरोपी महिला से पूछताछ की जा रही है।

बालिका से दुष्कर्म-हत्या के दोषियों की जल्द होगी गिरफ्तारी : भाटी

जयपुर (विसं)। कोलायत विधायक अंशुमान सिंह भाटी ने विधानसभा परिसर में सोमवार को मीडिया से रूबरू होते हुए कहा कि मेरे विधानसभा क्षेत्र के बज्जू तहसील अंतर्गत सीमावर्ती उप- तहसील रंजीतपुरा गाँव में एक अत्यंत दुखद एवं संवेदनशील घटना सामने आई है।

यहां 21 फरवरी को एक 12 वर्षीय बालिका अपने घर से परीक्षा देने के लिए निकली थी, जिसे दोपहर 1 बजे परीक्षा केंद्र पहुँचना था, परंतु वह नहीं पहुंची।

उन्होंने बताया कि विद्यालय प्रशासन द्वारा परिजनों को सूचना दी गई, जिसके बाद परिजन एवं ग्रामीणों ने खोजबीन प्रारंभ की। खोज के दौरान बालिका का शव रंजीतपुरा गाँव के समीप स्थित एक पोखर में मिला। इस घटना से पूरे क्षेत्र में शोक एवं आक्रोश का माहौल है। भाटी ने कहा सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन एवं पुलिस अधिकारी मौके पर पहुँचे। शाम तक उच्च अधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक भी घटनास्थल पर पहुँच गए।

मामले की गंभीरता को देखते हुए विभिन्न जांच कमेटियों का गठन किया गया है तथा एफएसएल टीम द्वारा साक्ष्य एकत्र किए गए हैं। प्रशासन द्वारा शीघ्र ही दोषियों को गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया गया है। ग्रामीणों ने मांग की है कि दोषियों की गिरफ्तारी से पूर्व पोस्टमॉर्टम नहीं कराया जाएगा। इसी मांग को लेकर 22 फरवरी से धरना जारी है। प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा लगातार ग्रामीणों से संवाद स्थापित कर समाधान का प्रयास किया जा रहा है। प्रशासन से मांग है कि दोषियों को शीघ्र गिरफ्तार कर कड़ी से कड़ी सजा दी जाए।

'विपक्ष के पास ना खुद की उपलब्धियां और ना ही कोई मुद्दा, इसलिए कर रहे है हंगामा'

जयपुर (विसं)। गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने विधानसभा में मीडिया से रूबरू होते हुए कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा सरकार के सवा दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सदन में दिए गए वक्तव्य ने राज्य की राजनीति में व्यापक चर्चा को जन्म दिया है। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में स्पष्ट रूप से कहा कि जो कार्य पूर्ववर्ती सरकार अपने पाँच वर्ष के कार्यकाल में नहीं कर पाई, वे कार्य वर्तमान सरकार ने अल्प समय में पूर्ण कर दिखाए हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के इस बयान के बाद विपक्ष, विशेष रूप से कांग्रेस दल में हलचल तेज हो गई है।

राजनीतिक सूत्रों के अनुसार, इस मुद्दे को लेकर कांग्रेस नेतृत्व में आंतरिक असंतोष भी देखा गया है। यह भी सामने आया है कि पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से उनकी सदन में भूमिका को लेकर सवाल किए गए हैं। उन्होंने कहा कांग्रेस के वरिष्ठ नेतृत्व ने यह भी पूछा कि यदि पूर्व सरकार ने उल्लेखनीय कार्य किए थे, तो उन्हें सदन में प्रभावी ढंग से प्रस्तुत क्यों नहीं किया गया। इसी संदर्भ में हाल के दिनों में पार्टी के भीतर चल रही आंतरिक मतभेदों की चर्चाएँ भी तेज हुई हैं, बताया जा रहा है कि हाल ही में दिल्ली में हुई बैठकों के दौरान प्रदेश नेतृत्व को विधानसभा में अपेक्षित प्रदर्शन न करने को लेकर भी फटकार मिली। विशेष रूप से यह मुद्दा उठाया गया कि कई महत्वपूर्ण विषयों पर प्रभावी ढंग से पक्ष नहीं रखा गया। इस दौरान हवामहल विधायक बालमुकुंद आचार्य ने कहा कि हमारी सरकार ने ऐतिहासिक फैसले लिए व ऐतिहासिक कार्य किए हैं। उपचुनावों में विकास के दम पर हमें विजय प्राप्त हुई। कांग्रेस सिर्फ घोषणाएं करती है काम नहीं करती। कांग्रेस सदन में चर्चा में भाग नहीं ले रही है, उनके पास कोई मुद्दा नहीं है। कांग्रेस दलित विरोधी है तथा दलित नेता प्रतिपक्ष को बोलने नहीं दिया जा रहा है।

धौलपुर में सैंचुरी से रास्तें बंद

जयपुर (विसं)। कांग्रेस विधायक संजय जाटव ने धौलपुर जिले में सेंचुरी क्षेत्रों के कारण ग्रामीणों को हो रही परेशानियों का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि वन विभाग ने गांवों के रास्ते बंद कर दिए हैं और फोर्स तैनात कर दी गई है। जाटव ने कहा कि जिन गांवों को उनके पूर्वजों ने सदियों पहले बसाया, आज वहां के लोगों को घुट-घुटकर जीना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि ग्राम सभाओं के फैसलों को नहीं माना जा रहा और परंपरागत वन भूमि से लोगों को बेदखल किया जा रहा है।

"2 साल बनाम 5 साल" पर सियासी बयानबाजी तेज

राजेन्द्र राठौड़ ने गहलोत को दी खुली बहस की चुनौती

जयपुर (कासं)। राजस्थान में दो साल बनाम पांच साल को लेकर सियासी घमासान और तेज हो गया है। पूर्व उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म "एक्स" पर ट्वीट कर पूर्व मुख्यमंत्री के हालिया बयान पर तीखा पलटवार किया है। राठौड़ ने गहलोत के बयान को "उल्टा बांस बरेली" वाली कहावत बताया।

राठौड़ ने कहा कि 21 फरवरी को विधानसभा में वर्तमान और पूर्ववर्ती सरकार की उपलब्धियों पर चर्चा निर्धारित थी। यह बहस प्रदेश की जनता के सामने दोनों कार्यकालों की उपलब्धियों और नीतियों का तुलनात्मक विश्लेषण रखने का अवसर था, लेकिन कांग्रेस विधायकों ने सुनियोजित तरीके से हंगामा कर चर्चा से किनारा कर लिया।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के पास अपने 5 साल के कार्यकाल का ठोस रिपोर्ट कार्ड नहीं था, इसलिए बहस से बचने की कोशिश की गई। मुख्यमंत्री स्वयं सदन में उपस्थित थे और विपक्ष के हर प्रश्न का तथ्यात्मक उत्तर देने के लिए तैयार थे।

इसके बावजूद कांग्रेस ने सदन में अपनी बात रखने के बजाय बाहर बयानबाजी का रास्ता चुना।

कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर राठौड़ ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के समय प्रदेश में अपराध और महिला अत्याचार के मामलों को लेकर गंभीर सवाल उठे थे। उन्होंने दावा किया कि वर्तमान सरकार के दो वर्षों में कुल अपराधों में लगभग 14 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है।

उनके अनुसार, हत्याओं में 25 प्रतिशत, हत्या के प्रयास में 19 प्रतिशत, महिलाओं के विरुद्ध अपराधों में 10 प्रतिशत, अनुसूचित जाति-जनजाति के विरुद्ध अत्याचारों में 28 प्रतिशत, डकैती में 47 प्रतिशत और लूटपाट में 51 प्रतिशत की कमी आई है। राठौड़ ने विकास कार्यों को लेकर भी गहलोत सरकार पर निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि जिन परियोजनाओं और योजनाओं का श्रेय गहलोत ले रहे हैं, वे धरातल पर मौजूदा सरकार के कार्यकाल में साकार हुई हैं।

उन्होंने गहलोत को खुली चुनौती देते हुए कहा कि यदि कानून-व्यवस्था, विकास या शासन के किसी भी पहलू को लेकर कोई शंका है तो सदन में खुली और तथ्याधारित बहस की जाए।

जनता सब देख रही है और तथ्यों के आधार पर निर्णय करना जानती है। राठौड़ के इस बयान के बाद प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर सत्तापक्ष और विपक्ष आमने-सामने नजर आ रहे हैं। दो साल बनाम पांच साल का मुद्दा आने वाले दिनों में और ज्यादा राजनीतिक गर्मी पैदा कर सकता है।

जयपुर को मिली ब्रिक्स बैठक की मेजबानी

मुख्य सचिव ने की ब्रिक्स वित्त मंत्रियों एवं केंद्रीय बैंक गवर्नरों की बैठक की तैयारियों पर चर्चा

जयपुर (कासं)। जयपुर में आयोजित होने वाली ब्रिक्स देशों के वित्त मंत्रियों एवं केंद्रीय बैंक गवर्नरों (एफएमसीबीजी) की प्रथम बैठक की तैयारियों को लेकर मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने सचिवालय में सोमवार को समीक्षा बैठक ली। बैठक में आर्थिक मामलात विभाग वित्त मंत्रालय भारत सरकार तथा भारतीय रिजर्व बैंक के उच्च अधिकारी भी उपस्थित रहे।

मुख्य सचिव ने कहा कि जयपुर में इस महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय बैठक का आयोजन राज्य के लिए गर्व और सौभाग्य की बात है। यह अवसर राज्य की संस्कृति, पर्यटन, विकास और प्रशासनिक क्षमता को विश्व स्तर पर प्रदर्शित करने का महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगा। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए समयबद्ध रूप से तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने 4 से 7 मार्च के प्रस्तावित कार्यकमों में मंत्रिस्तरीय बैठक, प्रतिनिधियों के आगमन, आवास, परिवहन, सुरक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएं, सांस्कृतिक कार्यक्रम, भ्रमण तथा अन्य व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने जयपुर में आयोजित होने वाले ब्रिक्स सम्मेलन की तैयारियों को लेकर सोमवार को उच्चाधिकारियों की बैठक ली।

मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि प्रतिनिधिमंडलों की आवाजाही के लिए सुचारु परिवहन व्यवस्था, पायलट वाहन तथा आवश्यकतानुसार रूट क्लीयरेंस सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने आयोजन स्थल, होटलों, भ्रमण स्थलों एवं मार्गों पर कडी सुरक्षा रखने के निर्देश दिए। उन्होंने शहर के प्रमुख मार्गों, आयोजन स्थलों एवं भ्रमण मार्गों की साफ-सफाई, सौंदर्यीकरण और रखरखाव सुनिश्चित करने को कहा। स्वास्थ्य सुविधाओं के तहत 24 घंटे चिकित्सा दल, एंबुलेंस, आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता तथा नजदीकी अस्पतालों से समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए गए।

मुख्य सचिव ने आमेर किले में प्रस्तावित भ्रमण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा कि कार्यक्रम के माध्यम से राजस्थान की समृद्ध संस्कृति, लोकनृत्य, संगीत और आतिथ्य की परंपरा की झलक विश्व समुदाय को दिखनी चाहिए। प्रतिनिधियों के लिए प्रशिक्षित गाइड, पार्किंग व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। बैठक में प्रतिनिधियों के लिए राज्य की कला एवं हस्तशिल्प से जुड़े स्मृति-चिह्न तैयार करने तथा पर्यटन पुस्तिका की व्यवस्था पर भी चर्चा की गई। प्रतिनिधिमंडलों के साथ समन्वय के लिए लायज़न अधिकारियों की नियुक्ति तथा प्रशिक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

बैठक में आर्थिक मामलात विभाग वित्त मंत्रालय भारत सरकार की अतिरिक्त सचिव अनु पी. मथाई, संयुक्त सचिव अमित सिंगला और निदेशक प्रकाश राजपुरोहित सहित जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अभय कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव पर्यटन एवं सार्वजनिक निर्माण विभाग प्रवीण गुप्ता, अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह विभाग भास्कर आत्माराम सावंत, प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग गायत्री ए. राठौड, प्रमुख शासन सचिव वित्त विभाग वैभव गालरिया, प्रमुख शासन सचिव नगरीय विकास विभाग डॉ. देबाशीष पृष्टी, प्रमुख शासन सचिव सामान्य प्रशासन विभाग नवीन जैन, अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (इंटेलिजेंस), पुलिस आयुक्त जयपुर, विभिन्न विभागों के शासन सचिव तथा अन्य संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

भट्टा बस्ती में चाकू मारकर किशोर की हत्या, दो आरोपी हिरासत में

जयपुर। भट्टा बस्ती इलाके में मामूली कहासुनी के बाद युवक (किशोर) की चाकू मारकर हत्या करने का मामला सामने आया है। गंभीर रूप से घायल युवक ने अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को हिरासत में लिया है और उनसे पूछताछ की जा रही है।

पुलिस के अनुसार घटना भोमियाजी की बस्ती की है। यहां रहने वाले आदिल का आसपास के कुछ युवकों से विवाद हो गया। देखते ही देखते कहासुनी झगड़े में बदल गई और आरोपियों ने आदिल पर चाकू से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल आदिल को अस्पताल पहुंचाया गया। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (उत्तर) बजरंग सिंह शेखावत ने बताया कि मृतक के परिजनों की शिकायत पर समीर,अरबाज सहित अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को हिरासत में ले लिया है।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों पक्षों के बीच पहले भी कई बार कहासुनी और विवाद हो चुका था। रविवार रात मामूली बात को लेकर विवाद बढ़ गया और आरोपियों ने चाकू से हमला कर दिया।

घटना के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल बन गया और कुछ लोग भट्टा बस्ती थाने के बाहर आरोपियों की गिरफ्तारी का मांग को लेकर थाने का बाहर प्रदर्शन कर रहे थे। तब पुलिस ने लाठीचार्ज कर लोगों को वहां से हटाने की कोशिश की। फिलहाल पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और पूरे मामले की गहन जांच जारी है।